रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7
No. of printed pages : 7

102 **402 (ISA)**

2026

हिन्दी

(केवल कृषि वर्ग भाग-II के लिए)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 80**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र में दो **खण्ड 'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता। जितने बड़े पैमाने पर इन क्षेत्रों में मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए। लक्ष्य की बात भूल गए। आदर्शों को मजाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोड़े से लोगों के बढ़ते हुए लोभ का नतीजा है, परंतु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखायी देने लगे हैं।

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो धर्मभीरू हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-बाहर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है।

(क) 'व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नही होता' का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) कानून और धर्म में अंतर कर दिए जाने से क्या परिणाम हुआ है? 2

(ग) किन बातों से यह स्पष्ट होता है कि आम भारतीय यह अनुभव करता है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है? 2

(घ) आदर्शों को मजाक का विषय बनाने और संयम को दकियानूसी मान लेने का क्या परिणाम हुआ? 1

(ङ) 'धर्मभीरू' शब्द का अर्थ लिखिए। 1

(च) हमारा देश कानून को हमेशा से किस रूप में देखता आ रहा है? 1

(छ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) भारत में संचार क्रांति

(ख) अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम

(ग) आतंकवाद-सम्पूर्ण विश्व के लिए खतरा

(घ) किसी ऐतिहासिक स्थान की यात्रा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुन कर लिखिए- 1×5=5

(क) समाचार का तत्व नहीं है-

(i) नवीनता (ii) निकटता

(iii) तुष्टिकरण (iv) प्रभाव

(ख) कौन सा जनसंचार का एक रेखीय माध्यम नहीं है?

(i) टेलीविजन (ii) रेडियो

(iii) इण्टरनेट (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) आकाशवाणी में 'एफ एम' का अर्थ है-

(i) फ्री मॉडल (ii) फ्रिक्वेंसी माड्यूलेशन

(iii) फोर्स माडलिंग (iv) फ्री मानिटरिंग

(घ) भारत में विधिवत 'ऑल इण्डिया रेडियो' की स्थापना कब हुयी-

(i) 1895 में (ii) 1936 में

(iii) 1921 में (iv) 1993 में

(ङ) प्रिण्ट माध्यम के बारे में कौन सा कथन असत्य है?

(i) प्रिण्ट माध्यम के छपे शब्दों में स्थायित्व होता है।

(ii) निरक्षरों के लिए प्रिण्ट माध्यम किसी काम का नहीं है।

(iii) रेडियो, टी.वी. या इण्टरनेट की तरह तुरंत घटी घटनाओं को संचालित कर सकते हैं।

(iv) पाठकों की रूचियों और जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखना पड़ता है।

4. 'नक्सलवाद का समाधान' विषय पर 150 शब्दों का आलेख लिखिए। 5

अथवा

आपके विद्यालय में आयोजित 'विज्ञान प्रदर्शनी' पर 150 शब्दों की एक रिपोर्ट लिखिए।

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1+1=2

कपट के शोर में
सही होते हुए भी दब जाना-बुरा तो है
किसी जुगनू की लौ में पढ़ना-बुरा तो है
मुट्ठियाँ भींचकर बस वक्त निकाल लेना-बुरा तो है
सबसे खतरनाक नहीं होता

(क) व्यक्ति को कहाँ नहीं दबना चाहिए?

(ख) 'जूगनू' किसके प्रतीक के रूप में प्रयुक्त हुआ है?

(ग) 'मुट्ठियाँ भींचना' का आशय बताइए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1+1=2

उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी।।
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायऊ।।
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ।।
मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता।।

(क) 'बोले वचन मनुज अनुसारी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) राम, लक्ष्मण की किस बात का स्मरण कर विलाप कर रहे है?

(ग) लक्ष्मण ने राम के लिए क्या-क्या त्याग किया है?

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर इनका भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए- 2+2=4

(क) अंसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बेलि बोयी
अब त बेलि फैलि गयी, आणंद-फल होयी

(ख) मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ, किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

8. (क) पानी के रात भर गिरने और प्राण-मन के घिरने में परस्पर क्या संबंध है? 2

अथवा

कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है?

(ख) शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है? 2

अथवा

'रस का अक्षयपात्र' से कवि ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की ओर इंगित किया है? 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर बताइये।

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1+1=2

मोहन का यह हस्तक्षेप इतनी फुर्ती और आकस्मिक ढंग से हुआ था कि धनराम को चूक का मौका ही नहीं मिला। वह अवाक् मोहन की ओर देखता रहा। उसे मोहन की कारीगरी पर उतना आश्चर्य नहीं हुआ जितना पुरोहित खानदान के एक युवक का इस तरह के काम में, उसकी भट्टी पर बैठकर, हाथ डालने पर हुआ था। वह शंकित दृष्टि से इधर-उधर देखने लगा।

धनराम की संकोच, असमंजस और धर्म-संकट की स्थिति से उदासीन मोहन संतुष्ट भाव से अपने लोहे के छल्ले की त्रुटिहीन गोलाई को जाँच रहा था। उसने धनराम की ओर अपनी कारीगरी की स्वीकृति पाने की मुद्रा में देखा। उसकी आँखो में एक सर्जक की चमक थी- जिसमें न स्पर्धा थी और न ही किसी प्रकार की हार-जीत का भाव।

(क) धनराम को किस बात पर आश्चर्य हुआ?

(ख) लोहे के गोले को ढालने के बाद मोहन की मनः स्थिति कैसी थी?

(ग) कहानी तथा कहानीकार का नाम लिखिये।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1+1=2

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू- अपने आपमें सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यो संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब तब हूक उठती है-हाय, वह अवधूत आज कहाँ है!

(क) गद्यांश के लेखक का नाम बताइये।

(ख) शिरीष अवधूत के समान कैसे है?

(ग) लेखक ने गांधी जी की तुलना शिरीष से क्यों की? स्पष्ट कीजिए।

11. दबा हुआ आदमी एक कवि है, यह बात कैसे पता चली और इस जानकारी का फाइल की यात्रा पर क्या असर पड़ा? 2

अथवा

नेहरू जी भारत के सभी किसानों से कौन-सा प्रश्न बार-बार करते थे?

12. भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है? 2

अथवा

'बाजारुपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं?

13. चेजारो के साथ गाँव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है, पठित पाठ के आधार पर लिखिए? 2

अथवा

भारतीय कलाओं और भारतीय संस्कृति में आप किस तरह का संबंध पाते हैं?

14. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का क्या उद्देश्य है? स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

बहुत दिनों से घर बैठा लेखक पुनः पाठशाला कैसे पहुँचा? 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइये।

15. "तुम दूसरी आशापूर्णा देवी बन सकती हो-" जेठू का यह कथन रचना संचार के किस सत्य को उद्घाटित करता है? उल्लेख कीजिए। 4

अथवा

'अतीत में दबे पाँव' यात्रा वृतान्त की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-'ब'

16. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 1+1=2

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

अत्र बदरीनाथः, केदारनाथः, गंगोत्री, यमनोत्री च चत्वारि धामानि धार्मिकजनानां श्रद्धाकेन्द्राणि वर्तन्ते। अनेकैः धर्मपरायणैः जनैः निर्मिताः धर्मशालाः नूतनाः निर्मिताः राजमार्गाः च तीर्थयात्रां सुखदां निर्मान्ति। प्रतिवर्ष न केवलं भारतस्यैव अपितु वैदेशिकाः अपि अधिकाधिकसंख्यायाम् अत्र समागच्छन्ति। तीर्थयात्रिणः गंगाया पावने शीतले च जले स्नात्वा मठमन्दिरेषु च भगवतः दर्शनानि कृत्वा आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति, तत्रैव पर्यटनार्थं समागताः अपि यात्रिकाः मसूरी-नैनीताल- कौसानी-कुसुमोपत्यकादिषु सुरम्येषु स्थानेषु आगत्य प्रकृत्याः मनोहरं सौन्दर्यं विलोक्य स्वर्गसुखमिव अनुभवन्ति।

(क) कानि धार्मिक जनानां श्रद्धाकेन्द्राणि वर्तन्ते?

(ख) तीर्थयात्रिणः किं कृत्वा आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति?

(ग) यात्रिकाः कि विलोक्य स्वर्गसुखमिव अनुभवन्ति?

17. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 1+1=2

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

किन्तु एकः लघुकायः मण्डूकः मन्दं मन्दं स्तम्भस्य आरोहणम् आरब्धवान्। 'एषः लघुकायः कथं स्तम्भस्य आरोहणं कुर्यात्?' इति सर्वे उपहसितवन्तः। अल्पे एव काले सः लघुकायः स्तम्भस्य मध्यभागं प्राप्नोत्। 'अये पतिष्यति भवान्।' 'भोः। किमर्थम् एतत साहसं भवतः।' 'अयि भोः, भवतः प्रयासः व्यर्थः' इत्यादीनि वचनानि मण्डूकानां मुखात् निर्गतानि। तथापि सः लघुकायः मण्डूकः निरन्तरम् अग्रे अगच्छत्। सर्वेषु आश्चर्येण पश्यत्सु सः स्तम्भस्य अग्रभागम् अपि प्राप्नोत्।

(क) लघुकायः मण्डूकः कथं सर्वे उपहसितवन्तः?

(ख) अल्पेकाले किम् अभवत् ?

(ग) मण्डूकानां मुखात् कीदृशानि वचनानि निर्गतानि?

18. प्रदत्तं श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत- 1

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए)

श्रोत्रं श्रुतेनेव न तु कुण्डलेन,

दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन।

विभाति कायः करूणापराणां,

परोपकारेण न तु चन्दनेन।।

(क) श्रोत्रं केन शोभते, केन न शोभते?

(ख) दानेन किं भवति?

19. प्रदत्तं श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत- 1

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए)

पुण्यापुण्यैस्तथा गन्धैर्धूपैश्च विविधैरपि।

अरोगाः पुष्पिताः सन्ति, तस्माज्जिघ्रन्ति पादपाः।।

(क) अत्र अरोगाः के सन्ति?

(ख) तस्मात् पादपाः किं कुर्वन्ति?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 2+2=4

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

(क) आयुः विद्या यशः बलम् कस्य वर्धन्ते?

(ख) भोजने किं किम् अस्ति?

(ग) हयून्त्साङ्गः भारते किं कृतवान्?

(घ) रोगाः कथं वैधानां लाभाय न भवन्ति?

21. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत- 2+2=4

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

(क) अनुजस्य हृदयं कि द्रावयति स्म?

(ख) दुर्योधनः दायाद्यविषये वासुदेवं किं कथयति?

(ग) सर्वे छात्राः कार्यक्रमस्य व्यवस्थायाः चर्चां कर्तुं कं सभागारं गतवन्तः।

(घ) कस्मात् पादपाः पश्यन्ति?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **त्रयः** पदानिं चित्वा तेषां वाक्यरचना संस्कृतभाषायां कुरुत- 3

(निम्नलिखित पदों में से **तीन** पदों की वाक्यरचना संस्कृत में कीजिए)

पादपाः, गर्जन्ति, न्यायालयः, शीघ्रम, केषाम्,स्थापयन्ति, क्वचित्, द्रष्टुं

23. निर्देशनुसारम् प्रश्नानाम् उत्तरम् लिखत- ½×6=3

(निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

(क) 'रामश्शेते' पदे सन्धि विच्छेदः अस्ति-

('रामश्शेते' पद में सन्धि विच्छेद है-)

(i) रामश + शेते (ii) रामः + शेते (iii) रामः + ते

(ख) 'पितुः + इच्छा' इति विग्रहे सन्धिः अस्ति -

('पितुः + इच्छा' इस विग्रह की सन्धि है-)

(i) पितुरिच्छा (ii) पितच्छा (iii) पित्रश्छा

(ग) 'एकदन्तः' शब्दे कः समासः अस्ति?

('एकदन्तः' शब्द में कौन सा समास है?)

(i) बहुब्रीहि (ii) तत्पुरुष (iii) अव्ययीभाव

(घ) 'वृक्षात् पत्राणि पतन्ति' अत्र वृक्षात् पदे कारकः अस्ति-

(वृक्षात् पत्राणि पतन्ति' में 'वृक्षात्' पद में कारक है-)

(i) अपादान कारक (ii) करण कारक (iii) अधिकरण कारक

(ङ) 'राजन्' शब्दस्य तृतीया विभक्ते द्विवचने रूपं अस्ति-

('राजन्' शब्द का तृतीया विभक्ति द्विवचन रूप है-)

(i) राज्ञे (ii) राजभ्याम् (iii) राजानः

(च) गम् (गच्छ्) धातोः लृट लकार उत्तम पुरूष द्विवचने रूपं भवति -

('गम्' धातु का लृट्लकार उत्तम पुरूष द्विवचन में रूप होता है-)

(i) गमिष्यावः (ii) गमिष्यति (iii) गमिष्यथ

24. अस्मिन् प्रश्न-पत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायां तस्य अनुवादं कुरुत्। 2+2=4

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)

*****